॥ॐ असारेविहसं
सारे. सारमेतः
च्चतुष्टयं काश्यां
वाञ्चासः सतां संगो
गंगाम्भस्सम्भुपूः
जनं ॥१॥ इति वचनं ॥
कृष्णायवाञ्छेदे
वागदेवकौपिं
नायवाभस्यो
पञ्चागत. गो
विन्द्यायत्रमोन्मः
श्रीउइहदेवना
प्रीतिपदवकमहैको
प्यतिाइति॥ शुभं

द्वक्तनसवन्दना:
दिरवेल॥ॐ देवस्य
त्वा॥स्नानं॥ॐ ययः
पृथिवी॥सादूदन
स्नानं॥ॐ यदयक
॥वद्दनं॥ॐ त्वैऊ
विकूदा॥सिन्दूरं॥
ॐ यज्ञयवीनं॥ऊ
ॐका॥ॐ याःरुः
लिनी॥द्वीन॥ ॥

श्रीसूर्याय ॐ दमा
सनंनमः पूष्पंनम
ः॥नगुद्धानाद्वेनं॥
ॐ नवायामिख्यादि
॥१२॥ ॥सूदित्याय
ॐ श्लिश्वनायतूग्निप्रः
त्यषिदेवनायॐ द
मासनंनमः पूर्ष्पी
नमः॥नमाक्षानं॥
स्वानविथथूनाऊनं
॥यद्मासनःयद्मक

नः यद्मंगर्भ्हंसमयु
तिः ।।[illegible]ब्लनथस्ते
ह्लःस्वाद्धिसउः स्याः
त्सदानविः ।।श्मान
पूर्व्वंनमः ।।मूलन
ओंह्रूलि ।।ह्री ।।वा ।।
गायत्रीनयूजा ।।ब
उंनलंयूजा ।।ऊर्व
हनस्त्रायनवन्दना
कनयूर्व्वंनमः ।।ः
धेनूमूद्रान्दर्शया ।
ॐ आकृष्टा ।।ॐ प्राः

स्वर्कंयजामहा ।।ॐ
जूम्बिंदूगंधूनोदध
ह्य्वाहमूवभ्रुवाः
दवाँश्रासादयामिद
।। ।।आदित्यादिनव
ग्रहेभ्योनमः ।।ॐ श्रा
कृष्णि ।। ।।ॐ प्राना
नमिन्दूनि ।।ॐ जूष्व
क्लेवानि ।।ॐ अर्द्धमा
साः ।। ।।यज्ञःस्वाक्लि
।।ॐ ।।श्वनसि ।।गजी
सि ।।याःहुलिना ।।

गेनुकामधु
तनुधामितवह्नि कृतनुधम

ऊन्नयन॥मनाह्लि
॥श्रुतिश्रा॥हृय॥१०॥
क्षात्र॥ऊवोकूसूम
सँकालंकाल्ययर्यम
ह्योयूर्गि॥नमार्गिसः
ध्रुवायवर्हवसमामि
ज्ञिवाकर्ना॥उत्रगः
ल्यादि॥ ॥थुर्नेसून
क्षोववाश्चवींक्ष्मान
पूर्याहृय॥नास्तिव
कु॥वक्षुगव्यविय॥
ॐवावकेगुल्यामि॥
श्रंखसवन्दनादिव
नीलश्चिनाहि

००दमर्घनतानखाहा८

हूलखान,लूकूनःनय
साइइसखनय॥ज्ञान
कै॥अूर्ध्ववानाहा॥अूर्ध्व
॥वाक्षानाप्तपात्रलु
र्वैवस्यनकूचन्दनग
किर्नीदुर्वहूलसमा
यक्कीन्लालाधर्दुः
वाकर्नां॥दवसानक
॥यूखबदनसावूनू
वींसाय॥ [illegible] धु
हृथ्वीय००दमासनें
नमः४यूश्वेनमः॥
यादर्ष॥हस्काधं॥
[illegible]

गर्थं वभ्रिस्वाह्ना नं
वूजकर्लैसमन्वि मं
॥ ॥ थूर्थ्वंउनहि॥ दद्वि
ल द्वूवनहि॥ यभ्रिः
म उं नमहि॥ उलनं
च्छ्रिनागहि॥ द्दूहः
लूकूळवूञूवहलै॥
थ्वंगहिहलघाय॥ ।
थनयाइ.निन्हनन
यूञा॥ मा उलमू॥ र्लेय
०० दमासनेनम४ पू
थ्वेनम४॥ हल्कार्घाव
न्वनादियह्नावभ्रीलक

सुथ्वंनमद्याद्धि म
दं४॥ वङुमलुलउ
वा आ.याग थालउ
निनिय। नलह्ना॥ः
थनव नाहत्रेश्रेन
॥ह्नना॥ उमद्वान
न्दिवाःश्चुनगिम्य
थिव्याथ्वंअनतम्य
गःश्चाजातमग्रिसु
। केविं ६ं समाउमे
तिथिञ्जूनामाः
म ना वाज्रूनय
नेदवा४॥ ॥उव
सा॥ वदथ्वी॥ ॥ल्ह

न॥वदर्थै॥ ॥स्वव
स॥वृदर्थै॥ ॥ह:
केश्रीस्वान ताया॥ ।
क्रमस्वनउवस॥ॐ
हर्दृक ल्हृ हि४ह्
भूयामदवारदु
वहमाक्तियां:
ऊग्रा४॥ कि नं:
गेम्रुकूतों ॐहम
नृतिश्चतोनहिनं
यदायू४॥ ॥स्वव
सखन॥ॐनीब्रान्वुं
श्रीकल्वनन्बबया
शयाह्मनरापहि४

सद्ब्राउयन४॥
गुवक्रासंन४ब्रय
हुनसिकान्क्रिलः
नि धूर्तु रननव
बुयन४॥ ॥ला:
सालावक्रानयनः
सक्लिकासनसग
य॥नाधिनयसान
हुजा॥नायनसूर्दु
यॐदमासनैनम
४यूर्ष्यानम४॥ हका
घा॥वन्द्नादियक्ष
यश्रीमकपूर्यंन

४॥दक्षिण॥दे४॥ः
वैंदमनुउवा.सूक्षाः
लिवि.सिलथनाक्व
क्‍१सगॆबलियार॥
लवक्षो॥सखावकै॥
क्षसखनकै॥ष्वरम
षिनैक्यका॥कुलः
क्षम्सैधूनक्षाव॥मवा
खलिनेमालहूयका
वथनयनैं॥लासाः
लावखक्षिकासनः
सनया॥निम्सैकुनया
थ.सलिमिलावनिथि

क्षाय॥ऊर्ध्वपात्रया
लैंखनहाय॥कल
लस.कनलकॐद
मासनै.यावाघै.हिः
क्षाघैवन्दनयक्षव
वीनवूर्ध्वैपू.दीयानै
॥मैदेलस्क्षात्रै॥लीः
वि॥ ॥सगैकृनाद
वा.सगनैखा॥ ॥व
उसमनमालसख
क्षिकेवाय॥लैयूः
सललनहाय॥क्षम्
कानहिनैसखहोॐ

हपुनमी

नक्षादनं॥ गायत्र्या
ग्रकानेहिन॥ ३॥ कु
सबूनय॥ ॐ पवित्र
ह्वो॥ सिहलन्तय॥
स[illegible]ना, णाव्रीदा॥ व
स्त्रुसहिनी॥ वाकहृः
नि. ह्वाये॥ सिकानः
नि॥ ॐ मना ह्रूनि॥ प्र
निक्षा॥ ॥ ह्मनि. पू
ह्रिकुमानद्रिय॥ ॐ
मन्त्रानं॥ सूणक
नल. कल्मसदनी॥
दद्भिश॥ वाचनी॥ः

न्यास॥ कलशविसर्जनं॥ ह्रूकनगया
भूहिषके॥ घलियालखंकाय॥ बुद्धनाः
हिभ्रूणावीदे॥ कु
वायाथ्री॥ ॥ पूल्क्षि
न्ध्रयाय॥ साक्षिथा॥
यजमानस्य, कृणक
नल्कुक्षोरदकल
शभईनकृजाईपूः
ऋर्षिकृतकमलाः
सादिनग्रहस्याः
यनमः पूर्ष्वनमगा॥
नाव्यानक्री॥

थनतूजकनली। ॥

१ जूथमबलावन्ष:
नी॥थनमालका.कल:
ध्मदिवमलया॥ह्र्का
लिवि॥वन्द्द्यनुल
॥सिनथनखदिक्रर
म्बबव्य४॥मायूवान॥
जूदुवाल॥सहिनी॥ ॥
जूये॥वाक्क॥यजमान
ह्य.यूगह्यमबलाव:
षन.केलध्मद्वेनपू
जानिमियर्थकमठु

लूवूष्यताजनीसमर्थ
यामिनमि४॥शुद्धध्म:
का॥सिद्धिनमकु॥यथ:
याण॥समर्यली॥वा
क्व॥हूयार्थ॥न्याम॥
जूवयात्र.जालम्यूजा
लीवन्दनादिखलौ॥
जुनल्याजामि॥कथ:
नी॥कात्रलौ॥वाक्कण
यूजा॥ध्मन्कि.यूक्रिक
॥ ॥जूनथकालिन:
किनिनमवालस्याया:
हृया॥ह्यत्किकाहतह
नया॥निर्मक्ननादी॥

सूर्घ्यपात्र याते खन
ह्माय॥ कलंशपूजा:
यानकं॥ अमृत नोदि
॥या. हृ. व. यू. धू. दी॥ अ
त्र गन्धादि॥ मनु लक्ष्मी
प्र ली॥ मनु लक्ष्मान वि
या॥ ॥मन हूं गावा स
गनं. वन्द मनु लनं:
हृक्लीं लि विनं ह्माय॥
हृक्लीं याय॥ थन॥ माल
स. ला ला लि सु. वु लि
स. थ ला क्वा लं ह्मावा॥
ॐ क्वाणु आक्वा यंपा॥ श्री
बानहूं गकं॥ ॐ दा घीं:

यहा॥ सगन थिया॥ ॥
ला हा ला व. म वा का गुय
नं लो हा ला व॥ ह्व क्रि
का स न स न य स्वं बन
वकं॥ न उ याहा ल पूजा
याय॥ थकालि॥ दकि
भर्दं थ॥ सगं धलि पार
हृक्का लि वि॥ वन्द मनु
लनु ही लक्वा व क्वा॥
ल व ह्माय॥ ॥लसि
(मनकं॥ खलि नं मा:
लक्वयं क्वाव॥ थनहृ:
या॥ ला हा ला व ह्व क्रि
का स न स न या॥ नि मक्वि

ननादि॥कलशस्थि
(ोलमनक्षे॥क्षेत्रलि
॥सगङ्ग.नदेवा.स्मिग
त्वाय॥वलाइलदाव
यानकस्नानत्वाय॥:
यानकस्नानचिनकु
॥वद॥ॐवुंगकलु न
वुंकलनाग्निवुंस्ना
ग्निर्युह्लार्वनत्यपिः
र्यग्निय८देवीक्षियं
सनामदेसूदाका
सतिकृयर्वेश्रीषंय
हूवाहस८हूनार्थः
नोरःअूसद्वधोयदं

थासनाआनासनाय्
आदकुक्रनवसनावि
उर्दन८थाउनत्य८
स्वाहा॥ ॥गथिजवस
लानकृपूजाय्याय॥
लैखहायवन्दनादि
पूष्पनय॥कनन:
ब्रुक्षनम८॥विष्णु
वनम८॥रुद्रायनम
८॥सदाशिवायनम
८॥ ॥ह्रनकउकस
र्षीविय॥वस्त्रादि॥
सर्हुअूलमिव्रमि

श्या॥ ॥आन्ति,वृष्टिक
त्तानविय॥ॐब्रुतेक्रः
लू॥मेबलावन्धनं॥
दिदिल्म॥वावनं॥
न्याप्त॥कलश्चदिवि
सर्जूय॥घलिलर्पंस
य॥अूत्सिक॥क्रुक्र
ननय॥वन्दना॥पिनूं
णार्त्वद॥स्तकल्यानं
॥वूल्ल्वन्दयाये॥स्त
क्तिथय॥यजमानः
स्तमबलावन्धनक्रः
लग्नार्त्वनसंवूर्णथं
कनकर्मजेहोक्रि

॥श्रीसूर्याय नमः॥
वृष्टनमः॥ ॥नकरु
वहा॥सगंधलिस्त,ग
यज्ञ्यलथूनावनक
॥ना॥लिनक॥ ॥वलि
वायानकों,थंलखूम
वानक॥ ॥थनिमब
लावन्धनं॥ ॥
गन्धर्वविवाहया,लस्त
यविधि॥पित्वालख्यूः
स्तत्वकिकस,माक्वाय
गलाय॥दूवल्याखक
लशमियागजव,खव

सनय यक्ष्म यायाव ॥
तक्ष्मि वामरु कक्लिनि
न वालिन र्विंयक ॥
द्ब्लिनक्षकाय ॥ ना
सिवक नक्किनिन व
ऊ नथवक ॥ निर्म्मक्ष
नयाय ॥ ॐ नक्षाह्न
॥ किण्वलनपियावय
लिसगय ॥ ॐ ऊ श्वः
घामनविंय ॥ ॐ गऊ
लि ॥ मनह्व नावायूऊः
याय्यश्राद्दिगन ॥ ॐ ऊः
यिन्मूर्द्धा ॥ ॐ र्व्वंयविः

स्क्ष्वा ॥ मगस्क्ष्वा ॥ ॐ ऊ
स्न्गिा ॥ वींला ॥ ॐ
र्व्वंयविस्क्ष्वा ॥ सगर्न
ला ॥ ॐ ऊ स्न्गिा ॥ वि
ग सिवसर्गेथलिला
ननर्ने नकिनिन क
लक्ष्मला ॥ इ ॥ तलिया
ग लंखनलायक ॥ ॐ
दवस्यला ॥ खगनति
गक ॥ ॐ यदयक ॥ सि
द्धनगिगक ॥ ॐ र्व्वंय
विस्क्षदा ॥ सगर्गिगक
॥ ॐ दभिक्राव्रा ॥ स्वानवि

य॥ ॐ श्रीश्यामा॥ ॥सनि
लिनां विथनतिगकं॥:
नकिं नाकानंगिय॥
सिहंलूय॥ ॐ या४हः:
लिनी॥ ३॥ अलतिया:
क्वानय॥ ॐ नं ओंहि॥ ना
यनहाल॥ ॐ मनाहृति
॥स्वस्तिश्चावनदार
वउ॥ कलशयालंख
नहाय॥ ॥कलशं दुवा
ल्याखदुगयना॥ लखक्ष
थयावगादवाजानका
वद् नयना॥ ब्राह्मिगन

स्वस्तिवाचनयदयावंव
यङ्कापाङ्काका॥ ॥नलंस
स्वस्तिकासनसनय, ल
गासहिगी॥ थनव्ववि
यकं लक्ष्मिन॥ सूर्यादि
ॐ हृदं वगामालक्ष्मींद
वर्कों॥ ब्राह्मणज्ञांस्थि
वा, थकालि, नकिनंम
म, ववं, यपिवानं लालंगा
यानं, लक्ष्मियागों॥ ॥स
गनवियकंमिसानस्यि
ग्यासूर्याय नानायनय
सदाशिवाय गहलक्ष्मी

वन्हूलनागमनाज्ञाय, ॐ
कृदवनाय, दबिवंद्न
कुनयूर्थनम ४॥ ३॥ व
न, सिद्धूय, सगह, मिनकं
ख्वानविय॥ ब्राक्ष्मलभू
दिनसकस नंमिय॥ ल्वा
नंविय॥ ॥ ळुयागुस
गंविय, नकिनिलं॥ ङ्क
वाथं॥ थ्यनं थूनकाव, ला
लान ह्लिय॥ सवूजनह्
या॥ ञ्जूगंथलिवाह, स
नन्य, कं ग्वलननकं:
श्याह्मय, नानं, सदाशिव:

वन्हूल, ॐ कृदवनायकं
दमनें नं केल्य सिद्धिनसुं
निरालन ख्वथमसग
या॥ लख्वनलायकं, वलि
वियकं दायूवसगंथलि
सकनांक्का, लंख्वियकं
वाथियकं, लंख्वियनं
क्कस्यालं, वाद्यकाव
लंख्वभानकं॥ यक्ष्यास
न, नकं॥ लंख्वभानकं॥ ब्रा
क्ष्मलना॥ सक्रिवाखनयउ
या॥ ॐ ह्लक्तिनामसीताय
धि॥ वज्रि, थलि, दूदू, गनं

नासिवके॥थलसऽशु
र्गंधं मनख॥कुण्वल
नन्के॥किसानिनऽ
स्त्विष्ककलं कश्चानके॥
वं थिलक्नासिवके॥
कुण्वलहाल॥ ॥थनः
ब्राह्मणपूजा॥सूर्य॥य
जमानस्य विवाहकर्म्म
णि ब्राह्मणपूजानिमि
त्यर्थं श्रास्त्रयाय ऽर्घं
नमः॥वद॥ॐ सूर्यकू
यन्ह्वदायसान खायन्
त्राय ॐ दमासनं नमः॥

पूर्ष्यं नमः॥नन्दिकः
क्षेत्राय ऽग्राय्याय ॐ
दमासनं नमः पुष्पं नम
ः॥थथें पादार्घ॥हकाः
र्घ॥चन्दनं॥यज्ञोपवीः
तक पुष्पं॥धूप॥दीप॥
दक्षिणा॥स्वास्ति दं १२
॥यथ अग्न्याकाय॥अलि
षक घलियालखं व
न्दनादि सूर्णं खोदः
विय॥मवानगं॥ॐ स्व
चकेउ जामरा॥ब्राह्म
णपूजा सं पूर्ष्णं थं क्तन

कर्म्मलेखाद्धिलेखश्च:
स्तुत्याया ध्यानमस्थ ॥ ॥
दर्श्ननासद्धायायाश्वन
त्मयव कायस्तकल्याणं
॥मूमलद्धिवासखान
गुयाश्ववालद्धिनमा
मसनयानश्ववेनम:
वानरवद्धादावलव
द्धाय॥मवावूयावतु
ने॥ ॥ध्यानस्थानकरणं
॥ ॥श्रीनागयान ॥ ॥
नित्यानन्दमयंज्ञानं
निर्द्वंदंकन्नमाम्यहं।

ध्यानातीतंपरंसून्यंते
स्वच्छंनमाम्यहं॥ ॥
ग्रूर्द्धना रुा लगुर्नाडि
ष्ठ कौरिलि ज्ञुमवा:
हन॥ विरामु विउ:
यपार्थसर्वसाद्धिध:
नंउय॥ न्रनानिरु:
ननामानिर्प्रमउथ्य:
यय॥ पा॥ न॥ उत्तु
रवापिसक्षपुहंनानाम
नविघने॥ ॥मानाय:
भउमाद्वविपिनायहतु
तंकवमू सज्ञावाढ भाकु

स्प्रसामीपापविनायक
३॥ उच्छंदं गमाहावीर्य
वभाद्रलमपानयसि
द्धकासर्वकार्याणि सर्वः
प्रसादाविनायक४॥ ॥
स्तुथपादक्कापन४॥
पूष्यराजा॥ध्रुयपउ
मानस्यपादक्कापन
कलगर्ह्वनपूजानि
मिलार्थ्यपूष्पराजनं
समर्थयामिनम४॥
मजागंर्थकलशार्व
हं यथाकर्म्मम॥ ॥

मिउजलगद्वापूजा
॥यञ्चवलतूपलजा
ह्रायल धाधाव मिउ
व मल कंलड्ढ
न्या लाग्रुब्रलाघूब्दा
हीले साइ्ड्डे थलग
द्द्वासेथलाँ ॥ ॥पू
जा॥ नन्दायेनमः॥
ॐ नालिम्र्ज्वि श्रींवि
क्लनं धायूर्मयविमि
र्द मगा॥ष्ट्रनद्रनन्दा
वा(श्री)मगाः ५ स्राक
खमोम ६ उघाख्यीय

स्री मम्रा क्लि क्षि लि
ता जाय मि क्षि द्व ४॥
त्वप्राय्येनमस्र॥ ॐ त ऊँ
कल्लुं लि॥ जयाय स्र॥
डैस्राय नूद्र मित्रा मन्नू
वधा मयाव का मि ला॥
गयान क्कम्रा लि वि
सक्का लि चाक्र मी हि
॥ सीक्का स्र स्र॥ ॐ मक्की
मयी ४॥ यूर्वु चेस्र ॥
ॐ दूर्भु दर्वि॥ स्वस्वदी
प॥ स्रूगयाव सा पे॥
नैं मक्क स्वगहू गाउ

वा॥ स्वलनन ल्लाय॥ व
पंचगव
श्रीमृगह्लान॥ प्रिय
ल्ल स्रा ध्य न पाय ३ ॥
स्वदना दि॥ मिह्लान:
मि·मना हृ मि प्रा मि
द्या॥ वमा दाव मिस्र
ना॥ मञ्जूवा जूनयास्र
ह्लान या या॥ ॐ उ ह्वय
ह्रौं॥ कल्मि याला ह्ना
गद्दू जा या य॥ जून
पाल उ ज्ज्ञाया॥ पौ ४
स्माक॥ निस्वन था

ॐ ग

सस्मिक वाय ज॥
कलस्त ज॥ घूजन॥
न्यास घू घयात्र ज्ञात्म
घूजा॥ ॐ गत्वा जामि॥
ॐ दवस्यत्वा॥ ॐ त्वम
र्प्पा॥ स्प्रा क्षावगक्क

॥

ष्मयाग॥ ॐ हस्मिन

न्द्रा॥ यजमानन म
घूत्वाग॥ ॐ यो॥ स्मकि
॥ स्था॥ घूयकानमघू
जा॥ वमिघूमायच
॥ नन्दायच॥ ना॥ रिम
विहि॥ स्मपदीपघू
लनेवघा॥ मेनाक्रगि
घ्रामिष्वा॥ स्मिवद्याल
॥ घूघवायाह्न कल्प
म्यि॥ यचमध्वनवर्म
क्रकानविकानन्दूप
कामेपघ्यवामध्यग्नि
य घूक्षायघूघूवाये

नन्दनन्दनि घूँसा वात्वाम ग्रक्कापयाम है॥ घू ग्रमेत्र स्मि गैं

चा॥ना कालं गुरु दव नं
श्विता हव उ मृ खा मनं
नि र्ह्यं हि न म दा दकं
गुल दं य वि वर्ह ला॥
पूक नाय ॐ ॐ मा ना
य म र्ह का म द्दु लं गुलं
।ना शु श्वा कि ॐ या ना जा
म्ला न दं ल्लं ग्र जा न ध्या॥
स स्वा त्रिं श्व धर्मं पू, ह्ल
हि का ना ध्य म व ब्बा॥
हु म ल क्ष ग्र दा न न, पू
ध्य का टि गु ध ध्व जा॥
ना जा वि ॐ य मा ग्ना ग्नि

दीर्घायुरूप दत्तो चि
वैकाल य था र्ध्यं वि थि
न क्ष न्धी यस्माहि ना॥य
क्कौ पूजा ऊ च श्रनें स्व
स्वर्ह ल्ला म क्का रं वांयो
व ल न्द्र म्य स्तृ र्यं म्प्य
भा दि नी स म्ब मा ग म्वा
या व द्ला का ल न म स्थ
मा वल्लं वा क्ति ना र वा॥
व दा ॐ स्क्वि ना व वा गु
कु ष्ना गु र व वीर्य वं॥
ह पूरं व गु म द स्व
मन्त्र १ पूलि ष वा दन

श्रीग्रीशकोयमारबछ३७

सा श्रिगं च स्व वर्ड्ठ ना ग्न पू उ जि नाय ऊ मा नाय. श्रेया र्णव गु सर्व दा॥१०

॥ह्निनाहव३॥ ॥
श्रूनयानक्रापय॥क्र
लसयालंखनलुय॥
ॐदवस्यला॥कायन
नपूय॥नेश्रलयम॥को
श्वयहूमायुवमा॥ह
डायश॥हद्रं कालुमि॥
श्रूय॥हदृमिसवदा
हदृ पूंसोकवूह्निमाव
ह॥श्रूत्रमम्रह्निनेक्व
र्याायावर्वन्द्राक्षम
ह्निना॥ॐह्निनाहव॥
वायूया॥हक्ष्मक्ष्मनाय

२॥ऊयायर२॥ॐग्राग
त्रूद्र॥श्रूया॥ऊयत्रुम
ह्वदादवी॥मिष्टन्वक्ष
यिमामया॥श्रूग्रमन्त्र
ह्निनेकूर्या॥यावर्ध्रुर्न
ह्रूग्रह्निनी॥ॐह्निनी
हव॥ ॥ः२मना॥ह
नद्या॥ऊश्रूमायर२॥श्र
क्रायर२॥श्रक्रामया॥
श्रूघ॥श्रक्रूश्रक्रूवद
यपूमाद्रूश्रद्विह्नलं
ग्रद्या॥श्रूग्रमन्त्रक्षिनी
कूर्या॥यावर्त्रन्द्राक्षम

दिनी ॥ ठक्किनाहवं ॥
मच्छ्र ॥ गनू जस्मनाय
श ॥ ग्रं मिवह्नमायश ॥
श्रमकदवमासनाय
श ॥ क्क र्यो मनायश ॥ पू
र्ज्जायश ॥ ॐ पूर्हुदर्वि ॥
श्रूघ ॥ पूर्ह्बवमह्लाद
वमर्घमिंहनलक्कहीं ।
श्रूगमकुह्किर्मीह्र र्य्या
यवर्ह्बन्हार्ह्लमिदिनी ॥
ॐ ठक्किनाहवं ॥ मनारू
मिग्रमिग्धा ॥ ॥ त्रा
स्मलर्थूनसंकल्याद

ठिग्मा ॥ ॥ विधि
थ्यैकलशार्च्चनं घूनै
का ॥ ॥ थ्वनयाद
कायनविधि ॥

अथ विवाहसूत्र र्थ्यो ॥ ॥
बालस्यदिक्षकर्मांवस्थ
ह्मपायाथ्यें ॥ अघ्याद्दि ॥
वाक्य ॥ यजमानस्यवि
वाहसूत्रर्थीवध्व कल
वध्वनसिंह्वाथाहनक
लशार्च्चननिमित्यर्थं ॥
श्रीहर्ष्यो याधीनमः ॥

न्यास. ऊर्ध्वपात्र. आत्मपू
जार्च्चं॥ गन्धादिरवल
॥ॐ नमस्यामि त्यादि. व
थनं स्नात्र त्वं धूनकं. त्रा
कूल पूजा॥ शान्ति. पूवि
केलं याय॥ ॥ थनपू
वूधन. त्यथि त्रालसाय।
ॐ ख्रसूव श्रि॥ स्वस्तिका
मनमनय। निर्म्मल्छनं।
का. प्रका॥ ॐ वज्राद
तं। कलंख॥ ॐ अध्वा
वा॥ ॐ गाओमि॥ वलिपू
रवालखुमय्वा याय॥ आर्घ

पात्र यालं खनल्हाय॥ ॐ
पवित्रस्वा॥ धनधूनदं
वकलनमकं। भालसन
नका। श्रीपूवधनं॥ संपू
र्त्वकलनभय त्यादि। थ०
यादार्घ. ख्वार्घ. चंदन.
पुष्प धूप. दीप. स्नात्र त्वं
शुद्धनभनकं। मनुलया
स्नानं छूनकं। धनधून
दाव। मनरूं नाउ स्वानं
ल्हाय। पूवधन॥ ॐ प्रवि
सूर्द्धा॥ ॐ त्वं पवित्रात
ध्याउनं ल्हाय. स... नं

ल्वावका॥ ॥थ्वमिभून
दावा॥ पूर्वनस्याःन
कांक्वयांमीलनस्नूस
पानं यिचं स्ताबाथय
कं गणिस्निय्वनुमापा
नंकूमकं॥ उं दीर्घायु
ल्वां॥ मुमसनध्याय भून
दावा॥ सिं ... याय॥ उं श्री
शुभाशु॥ कू मलकान
हिमउं वकादुनं॥ पा
नकानं हिन॥ उं वाकः
कान॥ कूलदुनकू ताक
उं पविश्रिश॥ म्हसवाः

वकंलगमनयागु:
लिन ल्वावकं॥ उंभू:
हुनम्नि॥ दूल॥ आ:
मिनथकालिध्याग:
नामकंनं॥ थकालिन
सवा...ग, नामकनं॥
मिउंनङ्वसाउंवङ्क
सयनस॥ मिसाङ्वसा
खवङ्कस्यनसा॥ ॥ना
स्वियसाङ्कसं॥ वाताङ्क
नंनय॥ यङ्कम्नसवि:
य॥ मस्नु॥ प्रास्थ्दिं॥ धं
लनाकवय॥ सवावू
थसाकथ्याय॥ साङ्क

ष्पीनास्तिय॥ क्मलघल
कर्तृखसनयमर्गनय
॥ किभलनयिघ्यावर्वा
कातसनय॥ कलखङ्का
य॥ लखनलय॥ नास्ति
वक॥ कैभलहाल॥ ।
ष्मन्कियूष्कि कस्वानवि
य॥ मवायग॥ उँकाय
स्वाहा कर्म स्वाहा कग
म स्मे स्वाहा धिमाधीग
य स्वाहा मन४ पुजाय
गय स्वाहा विलं धिलं
गायादि स्वे स्वाहादि

ये नत्रे स्वाहा दि ःः
सूस्हु जीकायै स्वाहा सूनं
हे ह्वे स्वाहा सन स्वये प्र
वकायै स्वाहा सन स्वयं
वृन्दये स्वाहा वृषू स्वाः
हा पूषू पुयथमाय स्वाः
हा पूषू नमै विवाय स्व
हा लंकू स्वाहा लक्षु
नीयाय स्वाहा लक्षु यूः
नू नूयाय स्वाहा धि सू
वे स्वाहा धि षू वनि द
ययाय स्वाहा धि षू वे
हि विविष्लाय स्वाहा॥
नाम कनर्नी॥ सिर्ढं

ल्य ॥ ॐ षा ४ ह्न लिनी ॥

क्षा या ॥ अ्रानि ॥ ॐ गजा
सि ॥ ष्ठगिष्ठा ॥ ॐ मनाह्
गि ॥ ह्रुगिष्ठावनदा
रावरु ॥ दक्लिन्भ ॥ वा
वनं ॥ ह्वक्लिवूनाद्रूगां:
ह्वक्लि ॥ लंखकेलमस
गयक्व ॥ न्यासलिका
य ॥ कल४भदिविसर्जू
नी ॥ ॐ उद्धयकमसस्य
निस्व४यछ्यन्क२उलन
सू ॥ दवन्दवत्रासूर्य्यम
गान्मश्चागिनूलनसू:

॥ कनन ॥ सर्गवालजा
हि ॥ जालाक्लनहुः
वासगय ॥ थनजूलिव
कयाय ॥ जूलिवकसू
सूक्लूलंमस्रु ॥ ॐ दव:
स्यलासाविरु४प्रसव
ह्विनीवोक्लस्यामूष्ट्वाद
क्षाल्यामू ॥ उजूह्विनी:
केवृश्चनेगयसृवक्ष:
वर्ज्ञसायारिविक्षुमि
सनवयेरेषक्ष्नवी
श्चायानोघायारिविक्ष
मीन्दुसन्द्वियनवराय
श्चायेजसमरिविक्ष

मि॥ वन्दनं॥ ॐ यदद्य
का॥ सिद्धूनं॥ त्वंय विष्ठ
दा॥ सम्पुला॥ ॐ दक्षिक्रा
ह्वा॥ पूर्ष्यं श्रीमा र्व्वदा॥
ॐ दीर्घायत्वा॥ ॐ श्री:
श्वगं॥ मवायान॥ ॐ:
यत्रवालभ४॥ ॥ ॐ००
दछंद वि४ प्रजनने
म्म३ अस्तु दशवीन०
सर्वमल७ सस्क्या॥
श्रीमसनिग्रजासनि
यछुसनि लोकसय
स्पयसनि॥ अग्नि४प
जो मखद्धला म्मकना

त्वत्रमययागन्ना३ नु
स्मामम्यल॥ सर्व्वर्षा:
वोन्सवाल्मदीर्घमा:
यूनस्तु॥ ॥ क्न्हकन:
ध्रूनकावसावुक॥ ॐ
यूह्लुवन्द्वनि तयल्ल:
दयंलीगरुदय्युदि
त्र्पूलमविमव ध्रुर्वय
ध्मसायुदवदयाय
वा॥ सोद्धि थायया॥ यज
मानस्य नामकलघ्र
गुयाछान कललभर्व्वन
संवहृष्टिं कनकम्म:
लेसाकिलेछ्रा सूर्याय

र्थ्यै नमः॥ पूर्थ्यै नमः॥
॥ ॥थनजा हिनं ज़ा न
कलवझाको ॥ दक
दिदियान विय॥ दिह्व
वलि ख्वा नका॥ ॥ वलि
हकलथालखु ह ख्वान
क॥ ॥ ॐ गिनानकन
ती॥ ॥ ॥
३ पूथकलाव्र ब्राह्मनं॥ ॥
जूथकलआदि हक नं
वसयब्रयाया थ्यं॥ जूः
ग्र॥ बाक्क॥ यजमानह्य
ह्लाव्र ब्राह्मन. कूलः
भार्थ्वेन पूजा. कुर्तु क

मःउलपूर्थ्यलाउनं ह
मर्थ्ययामि॥ नि
त्यादि॥ सिद्धिनमः॥ य
थ्याना॥ कल लौकिन
न ब्राह्मनजाहि पूबा
थ्य्यान॥ पूथ्यलाउनं
हमर्थ्ययामि॥ जूयबा
क्क॥ यजमानस्यपूत्र
स्य हूलाव्र ब्राह्मनकल
भार्थ्वेनपूजा कर्तुं थ्रोः
हूथ्याया थ्यैनमः॥ ॥
न्यास॥ जूर्थ्यपात्र झल
पूजाल्वे॥ कलभार्थ्वेः
नी॥ कूलदूकपूजा॥ ॥

ब्राह्मणप्रजा॥ धनिक
पुष्टिक॥ मबालसाय॥
खिलिकासलसनयानि
म्हुनादियाये॥ कल
शसक.गनक्ष॥ मनः
ह्व.नाउवाहगनंल्वाव
के॥ कलशसवन्दनादि
सउनंक्षाय॥ मवायान
सगनवस्त्रादिउथलं
विय॥ थकालिजुदनं
वि.ल्वांकाय॥ ॥लिय
मिनंल्वाय॥ सयूर्नके
लशथि॥ ह्मलसंकल्य

सिद्धिनस्तु॥ ह्मलप्राश
नं॥ वक्षुग्रासन॥ ॐ स्व
स्तिवाचनंवान॥ नासि
यक॥ सियतिननय
वानत॥ मननया॥ क
लशनथियावचानास
नया॥ कलकक्षाय॥
नासिय॥ केहाल॥ ॐ
या८ह्मलिनी॥ ल्वोन
विय॥ ह्मलप्राशनं॥
थनलिसाउनल्वाय॥
कायक.वस्त्रादिनंवि

य॥ ॥थनमापूर्हहः
वन्दनादिखलाव सव
यामूर्ङ्गसवालक॥व
कृद्धिविस्यावद्धाय॥
थनजानल्वाय॥श्रुगं
जावाहत्स्याद्यदियानः
सनमयावकुमन॥श्री
हत्यायनानायनोय
सवाक्षिवायध्हलक्ष्मी
वसूणनागनजाय ॐ
फ्रद्ववनाय ॐ दमवे
संकल्यसिद्धिरस्तु॥:

निराल्खथसनय॥
संपूर्णकलशादिगुग्ध
मनन्दिकध्वरश्वः
र्थ्याय ॐ दमनंसंकः
ल्यसिद्धिरस्तु॥यक्ष
वलिविय॥सकर्णाद्ध
य॥लंखविया॥जाधा
थिय॥ॐ ऊन्नवन॥
जाधाहूयकाव संखन
नक॥यक्षमसविय
॥ॐ हक्षिवावनवाम
॥सकर्णाद्ववनन्याव

कयकांकायाव॥वा
नथअहँनक॥सायास
॥वलिद्दवजिनय॥
ङ्कयालनक॥सिया
नयाथसजातुनय॥
नासिचक॥बानास
जायानय॥मनैतय
॥कननां॥उङ्किङ्कु क
लँकक्काय॥नासिथ
॥अन्नि पुङ्क्षिकलान
विय॥ॐ अन्नपनला
दि॥अन्नप्रालनी॥ ॥

सिद्धअनमिप्रलि
क्षा॥दक्षिणा॥वाव
नी॥न्यासलिकाय
कलश विसर्जनी॥ः
ॐकांकाखान काब
यका॥ॐ अ कृष्ण॥
अरि॥गबादिवन्द
नअभीर्वाद॥पू
र्णचन्दे॥गनन्थि
ये॥यजमानसिन्ह
लान्नप्राशनकल
शार्चनपूजा[illegible]पूर्ण

थैंक्वगकर्म ल सादि
लेश्राहर्याय नम ४
वृर्थ्यं नम ४॥ ॥दूकः
विय॥ दिदिवलिक्का
या॥ ॥यलिक्काय थं
ल रवूस॥ मवायाङ
नवूयकाव थंगः
लेश्मदिमक्काय॥
हकल्याणं सियलि
नविय॥ थ्वगंजनका
॥ ॥
ल्ऋूथकूतकन्ली॥
थने मालकाकलः

श्मदि वसलथ॥ स्लू
लिवि॥ वन्दमनुल लू
उाहमलू खावा वूस
या कूक्का काशायूवान
काकूशवूउवायान॥
यक्षयलवा॥ सिलय
नकायकूनर॥ श्मव
थ्वय॥ मविथ्वर॥ वाः
कहनि॥ वउग्र म॥ः
वालकपाइनिनि हे
हिनि॥ ॥कूथ॥ वाक्क
॥यजमानया थोयत्वव
जाकनकून्लीतदक

लश्अर्ज्जनकर्णं.कमलु
लूप्रव्यवाऊनंसमः
र्य्यथामिनम४॥गुह्वण
कं॥सिद्धिनस्तु॥यथाः
वाल॥सम्बर्त्तनं॥वाङ्क
॥सर्व्वार्थ॥जूर्व्वयत्रः
अस्मयूजात्वं॥वन्दन
दिरवन॥ॐनत्वाजामि
त्यादि॥क्षत्रत्वं॥ ॥
श्रीक्रनावरजा.अनिकेयू
ष्टिका॥ ॥थनथकाः
लि.नकिनिनं.लसाया
उादय॥त्विक्तिकोस

नसनय॥निर्म्मङ्कन
॥कलनयूजायानक
ष्ट्रय.दीय॥मनुलक्ष
त्रत्वं॥त्वानविय॥म
नहू.नाउवा॥हूक्ष्लि
विनंत्वाय॥[illegible]लि
॥वन्दमनुलनंत्वाय॥
थनं.सूक्षाय॥मेलस
लाहानिस.उनिस.थ
लाकालीसाया॥ॐकाः
असक्षाउात्वनाहकी
यनूब४पनूबस्यनि
।श्रवा.नाद्धंर्व्वप्रनन्स

दष्टणभगंनच॥ः
वानक्लनक॥ॐदीः
र्घायूल्ह्वो॥ ॥स्तुलः
वियो॥र्थकालिनसिद्ध
लघायसस॥चूसाय
नसखिय॥ॐदीर्घा
यल्ह्वो॥ ॥वटवृक्षा
रवत्यूर्वं दक्विलदु
ग्वलिस्कथा॥ऊष्वक्लै
वतवत्यष्मगुडल
यपूक्मवव॥स्तूव
ल्लमूद्विकाश्रदर्ह्वः
वृष्यसमविगं॥त्र

ॐ ह्रांवह्रस्य जिन
दिनिः शर्म्मय हूं ॐ द्वि
श्महाः शर्म्मय हूं ॥ १
७ ॥ ॐ उद्द्यिजानव
दसन्दवव्रलनिके
नवः ॥ हुं ठो ख्विश्वः
यसूर्य्यम् ॥ १८ ॥ ॐ
यक्षनयः सनखगः
मवियन्नि लिसमुन
सः सनखग ॥ ॐ यक्ष
भसादं छ राव हलवि
तू ॥ १९ ॥ ॐ उपद्धनः

जिनो मुहूं सत्त्वम वन
दीनाम् ॥ खियाविंश्वार
सुजायेन ॥ १८ ॥ ॐ द्वि
ष्लाः कर्म्मालि यश्व न
यनाभ्रु नांनि यं श्वं नं
यं भ्रु नानि यश्वल
॥ ॐ द्रस्य यू क्षः सत्व
१२ ॥ ॐ नमः श्वस्यः
श्वपनिरय श्वरानमा
नमो रत्नायवत्रायव
नमः शार्य्यायवयलु
यगयवनमानीनः

श्रावायवशिगिकल्प
यवाँ॥२०॥ॐअूजिघ्र
कलशम्मझालाविश
त्विन्दवू४॥यूनर्नूॐ
निवर्लेख्वसान४॥स
ह्मप्रन्धूझानूभ्नाय
यह्वगीवूनर्म्माविश
गाछवि४॥२१॥ॐवल
विशझाग्र्याःअूस्यया
याह्वगीर्थसयकहला
साःअूह्य॥त्रिभावद्धा
ह्रूवलानवीगिमहा

दवामत्यीःअूविव
गा॥२२॥मासाद्दियका
र्थनविध्येनसर्वविपि
यनियूर्न्लमस्तु॥ ॥
वमञादिसगनपूजा॥
दघिउमावगय०॰
दमासर्नेनम४वूर्थ्ये
नम४॥ॐवूसा४यः
वित्रमसिगाभार्ने
वूसा४यवित्रमसिस
हमभार्नेमाद्वह्वाः
साथिनायूनोउवूसा४

यविप्रलगनध्यनल
स्वाकामयूह४॥१॥
ॐदधिक्राव्णोऽका
रिषंजिष्णोरश्वस्य
वाजिन४॥सूनति:
नामूखाँकनत्प्रल
ऽआयूंषितारिष
त्॥२॥ॐदीर्घायुत्व
यबलायवर्चसेसु
प्रजात्वायसहस्रा३
त्रूधमजीवगनद४
लनम्॥३॥ॐत्र्यंब

विष्टदाठुषानु४पाः
हिलकृधागिन४॥नः
क्लाशाकमुसत्मना॥५
॥ॐया४हलिनायाः
श्रूहलाऽश्रूयूथ्याया
श्वयूथ्यैनी४॥वेहय
नियप्रगाह्मानामू
र्दुर्त्वहूँहस४॥७॥
ॐग्रासवगलेक्षाव
पत्याबसानापवाः
र्वैनकृपानिदूय
मासिवनीयायकम्॥८

ष्टूँनिषाधमृ[illegible]१ॐ
षाहा॥उ॥ॐनेम४ये
र्ध्यवयवर्क्लसदाय
वनम१ॐहृनमान
यवातिघ्नगेवनम
१-सूरविदगेचयुरवि
दगेवनम१००पूर्क
ह्यायनच्छक्रह्यंञ्चेवो
नमानमाव८क्लिलि
कल्याददवानाॐहृद
यल्यानमाध्विवित्व
ल्केल्यानमाध्वि[illegible]

ल्केल्यानम१ॐनिर्द
गेय४॥ा॥आवाहन
क्षायनयन्दनाश्मग
यृच्छेनम४॥॥चिक्ष
वलिपूजा॥चिक्षान
द्रत्रपालायवदिद्व
नाह्मलाय००दमास
नम४यूच्छेनिम४॥ॐ
गाव्मानीत्यागनयति
ॐह्वामर्दवित्रियानी
त्वाव्रियपनिॐहवा
मर्दनिधानीत्वानि

षियगि ६ हवामदेव
हामम। आदमजानि
कृधुमा त्वमजोसिग
कृधम॥१॥ॐ जानवद
सिछुनेवामहामम
नागीयगानिदह्यानि
वद४॥सन४यनिब
दतिद्व्रमेनिवि४ध
नावर्वसिन्धून्दनि
नायनि४॥२॥ॐ००मा
बूब्रायगवसकयेर्द्धि
नेद्वयद्धीनायवुरः

नामद्दमनी४॥यथम
गमसद्विवद्वकउथ्यद्द
ह्रिउवन्यूर्वकमिरञू
श्मिननाउनम॥३॥
ॐ यन्दघ्यगकावान४
यिवगधसांद्वलायाव
न४यिवनाकनिक्षय
हविनसिस्वाहा॥दिग
४प्रदिश४ऊदिशेः
विदिश४उद्धिशेदि
स्य४स्वाहा॥४॥ॐन
मावन्नुगमयव्याधिनत्र
नाम्यनयनमाहवय

नमो १

हृयेउगना म्यनयन
मानमा नूत्रायानमा:
यिनकृतो नाम्यनर्य
नुमानम ४॥ हूनाचाहृ
न्यैवनाना म्यनयनमा
नम ४॥ जे॥ ॐ सूसंख्या:
लामहृस्रालि॥ यनूत्रा:
इभूषिरम्याम्रा।नमा
७ मेहृमुद्यामनेवध:
न्या लिगन्महि॥७॥ ॐ
भूम्वि इभूक्वि के इम्वा:
लिकनमानयनिकश्च
ना॥ समहृस्य श्वक ४ ॐ:

हाद्रिकाक्षम्यालवा:
हिनीम॥ना॥ ॐ सुम:
द्येदेवोषियासद:
हैनयानूवद्रसा॥
नम:इत्रायु४ष्ठमा:
घीमी:इऊहृनवघी
नोविदयनवदेवि:
हः द्वानी॥८॥ अूवाहृ
नेकायनवनात्रन:
ट्रूसंनम४॥ ॥थीसु
नीदिपूजा॥श्वाहूर्थी
पुलानायनायसदा:
लिकायमहलक्ष्मीव
रूनामनात्रायः ॐ

ष्टदेवताय ॐ दमाः
सर्नें नमः यूं श्रें नमः
।।ॐ अ्राक्रुष्ठ्र नंत्र ऊस
र्व ल्मा ना नि वृगयैं
नमः नैम र्य क्षा हि:
त्र ल्यय न स्वि ना न
(थ ना द्द वा ङा मि ॐ व
ना नि य ल्प नृ ।।१।।
ॐ ह्रि ष्ठ्र न ना द मः
सि ह्रि ष्ठ्रा ल्प यु ह्रा:
ह्रि ष्ठ्रः ह्यु ना सि ह्रि:
ष्ठ क्रु वा सि ह्रि ष्ठु व
नं सि ह्रि ष्ठू वं ल्वा ।।२।।

ॐ नमः ग्रन्धवायव
मया ल्वायवे नमः
ग ड्ढ नायवमय ल्का
यव नमः भि वायव
भिव न ना यव ।।३।। ॐ श्र
ष्व न ल ष्ठ्रा ष्व य ल्हा व
हा ना ऐ या र्ष्व न द्धत्र
हि म ष्वि नौ व्या य क मा
ॐ ष्टूं नि षा ल्स मू मरे
ॐ ष्वा ल सर्व लो कैम
रे ॐ षा ल ।।४।। ॐ न
मो स्तु सर्व ष्या य क व
द्य थि वा म न्या य रत्र:

क निकृत्य दि विनश्य
४ सर्वस्या नमः ४ ॥ जा
उं वदस्य गर्भः अनिय
दय्याः अनं हृद्यू मद्वि
वागि कुउ मज्ञा न बू ॥
यद्वीद्द यक्ष व सः स्मग
प्रज्ञाग नद स्मा सूत्र
विन धे हि विग्रमः ॥
३ ॥ अवा हैन क्षापन
स्वन्द नाकृग यूर्व्वं नम
४ ॥ ॥ गम्य सयूजा ॥
गल गम्य सकौमाः
वा ॐ दमा लनं नमः ४

पूर्वं नमः ४ ॥ नमो ग
णेश्यो गणपतिस्यश्च
वा नमो नमो ब्राह्मणस्य
ब्राह्मणब्रोनं पतिस्यश्च
वा नमो नमो गणेसस्य
गणेसपतिस्यश्च वान्
मो नमो विनायकस्यश्च
वा नमो नमः ॥ १ ॥ ॐ प्र
थं गौ ४ प्र छिन कमा
दूसद स्मात नं पून ४
पितनं वभ्रयं तत्वं ४
॥ २ ॥ ॐ जा न वसंजः
नवा मसा मम ना गीः

यगानिदक्षाणिवद्
४॥सत्व४यणिषदणि
दम्नोनिविम्भानाद्वं
वृसिंधूंद्वनिनाय
णि४॥३॥अवाद्दन
क्षायनवन्द्वनाहन
वृथ्वीनम४॥ ॥नगी
अकाशनाला॥थ्वज
॥द्धस्कन॥सिन्दूनयू
ज॥ॐअस्माकमि
न्नु४सम्मनेषूष्वॐष
स्माकैयाः॥ॐबवम्ला
उयन्नु॥अस्माकव्वी

गा॥३उल्रनरलवल्लुमा
नैउदेवोः॥अवनादवं
षू॥१॥ॐसुमिगषूत
कूल्यथा॥ॐसुश्चियो
गाविषूसुमनस्यमा
नो॥ॐषूसूजमति
सम्वसानो॥२॥ॐसम्वा
मना॥ॐसिसख्नासमू
विक्लाम्याकनम॥अ:
रेनयसीख्याधियार:
वत्वन्नः॥ॐषमूज्ञय
जमानायेधेहि॥३॥

सब्बलाकँमइ ॐ ब्वानऽ

ॐ श्रीश्वकलक्ष्मीश्वप
ल्यावहाग्रवार्घ्वः
नकुवालिनूवमश्चि
नौद्यायकमा॥ ॐ ह्रूं बलिनि
बालभूम्मे॥ ॐ ह्रूं बलि
॥४॥ आवाहनक्षाय
नवन्दनाकुनयूर्थ्य
नम४॥ ॥कुलद्वि
द्विवलिपूजा॥ ॐ प्राच्यै
दिसस्वाहा॥ वीच्यै दिस
स्वाहा॥ दक्षिणायै दिस
स्वाहा॥ वीच्यै दिसस्वाः

हा॥ सुनीच्यै दिसस्वाहा
वीच्यै दिसस्वाहा॥ उदी
च्यै दिसस्वाहा॥ वीच्यै दि
सस्वाहा॥ ऊर्ध्वायै दिश
स्वाहा॥ वीच्यै दिशस्वा
हा॥ वाच्यै दिशस्वाहा
वीच्यै दिशस्वाहा॥
च्यै दिशस्वाहा॥ ॐ
ब्रूसंख्यामानीजिवथ
का॥ आवाहनादि॥
द्रकपूजा॥ ॐ दार्घ्य
यस्वाहा॥ वलायवर्द्धिस
॥ सूत्रजास्वायमहस्त

धनायपुष्पं।धूपंनमस्तु
शनीश्चरू शुभांकिनमस्तु
ग्रहदेगवा॥सर्वविघ्न:
प्रसमनंसर्वशान्तिक
रंशुरी।आयुपूसंव
कामंचलक्ष्मीसन्तान
वर्द्धनी॥यथावाणप्र:
हाराणं.कवचंरवउ
वारणं।तत्रदेवविक्ष
मानीशान्तिर्कवउवा
रणी॥पुष्पताउनंस
मर्प्यामिनमः॥ ॥
यजमानलकलश

अद्रयाटनीं॥संपूर्ण
कलशायठंदमास
नंनमःपूष्पंनमः
॥दधिउमायनयःठं
दमासनंनमःपूष्पं
नमः॥स्वक्षानकेत्र
वालायवहिद्वानाभ
णायठंदमासनं:
नमःपूष्पंनमः॥
श्रीसूर्यायनाराय
णायसदाशिवाय
गृहलक्ष्मीठंस्कंदे
वनायवप्रलेनाग

नागाय.ॐ दमासनं:
नमः ४ पूर्ण्यै नमः ४॥ श्री
लक्ष्मी ॐ दमासनं नमः
४ पूर्ण्यै नमः ४॥ यक्षेश्व:
दाये.तान क्षेत्र गोत्रा
य.त्रु क्ष्मदेवनाय.त्रि ह्रू
क्ष्मूदस.ॐ दमासनं न
मः ४॥ पूर्ण्यै नमः ४॥ नदि
कल्वनाय.ॐ दमास:
नं नमः ४ पूर्ण्यै नमः ४॥
मूवार्य्याय.ॐ दमास
नं नमः ४ पूर्ण्यै नमः ४॥
यक्षेश्वदाये.तान क्षेत्र

गोत्राय त्रुक्ष्म देवनाय
त्रिक्ष्मूक्ष्मूदस कमलु:
लू पूर्ण्या राजनं सम:
र्प्येयोमि नमः ४॥ ब्रा
क्ष्म नाचन्द्या॥ सूर्य॥ ह
र्य्याघ्यै॥ वाक्ष्म॥ यजमान
स्य.पूरागाभा देवघ्न
ध्यान कलश सर्वेन:
पूजानिमित्ये र्थ.श्री ह:
र्य्याघ्यै नमः ४॥ ॐ अ
कृष्णू नगजसावलमा
नानिवर्णयं नमः गम
र्प्येक्षा हिनव्यय नम

ःत्रिगायत्थनादवाजाः
गिउवनानिवंछ्यनु॥ ।
श्रीसूर्याययूर्घ्यनमः
॥ ॥गंधयजीन्यासः॥ः
अर्घपात्रजलनिक्षय
॥वंद॥ॐ ह्रूं मम्मब्रनूः
लक्ष्माह्वेमयावम्
दया॥ामवह्मनाव
क॥यथह्रह॥[illegible]ग
॥अर्घपात्रपूजा॥ ।
नमूर्धीदर्शयित्॥ल्ला
क्षनसिंवयतु॥वद
नी॥पूर्वी॥ज्ञसेनी॥

सूक्ष्मयनु॥ ॥सैपूर्व्वक
ल्लभय ह्रूं दमासनेन
मः पूर्व्वनमः॥ॐह्व
क्लिनः ह्रूं द्वावद्धगुः
वाः ह्वक्लिनः पूर्वाः
विह्ववदाः॥ह्वक्लिन
गाश्रीःश्रूनिस्हनमिः
ह्वक्लिनावद्धस्यागिर्द्द
क्षउ॥जलस्नानं॥ ।
ॐयदयकद्बवित्रर्द्द
नूदगमःश्रूतिसूर्यः
।सिर्द्धनकदिन्दुगवर्ण
।गनगिविंवदर्ण

गाश्रा शिक्ष्वदसिहः
र्य्यविश्वमांवांधावन्
मु॥ वन्दनें॥ ॥ ॐ र्व्व
येवि श्वदाशुबाल्प४
यादिश्रल [illegible] भागन
४नक्षोनाकेमूनक्म
ना॥४॥ सिन्दूनें॥ ॥
ॐ यह्मपवोनेंयन
संयविनेंखुजायगय
४सद्ऊंयूनक्षानृ
थ्यायूख्वामसंत्रुनि
मूक्षसूनेंयक्षायः
वोनेवनेम[illegible]गज

४॥ यह्मपवीनें॥ ॥
ॐ या४ स्हलिनी॥ र्य्याः
॥ त्रूस्हला॥ त्रूवूथ्याय
श्यवूष्यिना४ वंदत्य
शिखुसू[illegible]स्कानामू
खें त्वॐ दस४॥ यूत्वे
॥ ॥ सेंयूल्हकलश्मः
य०० द मासनेंनः
म४ येंयूर्थ्येनम४॥ ॐ
नत्वाऊंमिवृक्ष्मः
वन्दमानस्कदाश्मन्
यजमानाहविर्क्षि४।
ज्रूहेऊमानोवन्ल॥

ह्वाक्ष्रुग्भुह्रमान
३ञ्जाय्ष्ठ्येमाषा४॥१॥
ॐदेवस्यत्वामविउ
४ष्रुसवञ्छिनाद्वाद्रू:
त्यांपूष्ब्लह्लत्याम
॥२॥ॐत्वमम्ब्येय्रुति:
ह्लमाङुङुक्वाल्हिम
ष्यल्हिमङ्भनस्यनि।
ल्हेवनस्यल्हमाषधा
ल्येह्लन्त्भन्त्यपोञ
यष्ठङुवि४॥३॥ॐग
ज्ञनांत्वाम्नवगिं
ह्ववामहें छ्रियानांत्वा

ष्रियपगिंहुह्वाम:
हेनिष्मानांत्वानिषि
यगिंहुह्वामहेब्सा
ममाञ्जेहमञानिग
केष्रुमात्वमञात्रिग:
केषमा॥४॥ॐवहेस्य
गेस्थुंनियदक्ष्यारिञु
नेहांयुमद्विरागिक्रु
उमङ्ग्नेब्युयद्वाद
यञ्छवसद्वानवुञ:
गगदस्मोस्ट्रविने
ष्येहि.वित्रमा॥ञा॥ॐ
वल्हानिग्छ्मेत्रयाद

अस्यपादादृणार्षस्त
फदेलामा३ऊस्याति
षवक्षावृबगानाः
वीतिमह्नदवामहै
३ऊविवेगा॥७॥ॐ
ध्वानादवीनवस्यवि
श्वेत्रूनाददन्को३ऊः
प्ने४उनूध्यवमाझे
म्नाप्रस्यमाना४॥७॥
ॐहिरण्यगर्भः४स
मवर्तताग्रेभूतस्य
जात४पतिरेकआ
सीत्सदाधारपृथि

वींद्यामुतेमांकस्मैः
देवायहविषाविधे
म॥८॥ॐसक३स्मैः
ष्य४प्राणितोदिगा४
गनीनहयकनकृत्कि
सदमप्रमादाः
कावध्यवपालः
कुमीयूरूपत्रजाग
णोरूहवृजोमत
सर्वोवद्दवा॥९॥ॐ
प्रकृयहनस्पथ
मम्यनकोद्विसीम
न४सूनुवाध्वनः

आव४।ह वृक्ष्मा६उ
यमा६ऊ स्यो विश्वा४
सनक्षयानिमसन
श्ववृ४॥१०॥ॐ वि
श्वानना८मसि विश्वा
४ग्न युकांवि श्वा४स्व
नुति विश्व श्रु वासि
श्वेश्ववमसि विश्व वः
लो॥११॥ॐ नम४ग
न्ह्वायवमयात्वा
यवनम४ग क्ष्नो:
यवँनम४गिवाय:
वगिवगनायवा॥:

मयस्कनायव२

१२॥ ॥कल६॥ॐ
आउिघ्रुकलगम्म:
श्चालाविगन्विद्व
४युन्नर्जानिवर्ल
स्वसान४सदस्नुंस्थु:
श्रान्थनायवयस्व:
गायुनस्मा विठाग
डुयि४॥१॥ॐ वस्त्र
नेथ४सनस्वनीम:
वियन्किसस्त्रागस
४सनस्वनोउवस्त्र
थसाद गोलवसनि
नु॥२॥ॐ ०न्हसभैग

ह्रयमूनसनखगा
सूदद्दक्षामसंताचनू
च्या४जूतिश्रीमनू
द्यु:खविनश्च्याजी:
गिनर्लक्षासूषा
मया॥३॥ॐसिता:
सितसनिगचत्रसं
गमनत्रायूनासा:
दिवमन्यनकिन:
वैनवींविकृजनकि:
धीनास्कवैजनासा:
ऊम्नगवींसजन्के॥

४॥ॐउद्यद्भानगिरी
लभहृसङ्कमवनदीन
मा।षिया।द्वियो२जूजा
येन॥७॥सूमञ्जलेवा
नार्द्धनविषनसर्वं:
विषियनिवर्नूमन्तुं॥
॥॥ञ्जादित्यादिनवग्र
हत्यां०ंदमासनीन
४यूष्यंनमः४॥ॐजाद्द
षूननजसावर्कमाना:
निवलयंनमननैम:
यैश्च।दिनक्षयन

सवितारथेनादेवो
यातिभुवनानिपश्य
न्॥१॥ॐइमंदेवाऽ
असपत्नंसुवध्वम्म
हतेक्षत्रायमहतेज्यै
ष्ठ्यायमहतेजान
राज्यायेन्द्रस्येन्द्रिया
य॥ॐइमममुष्यपु
त्रममुष्यैविशएषवो
ऽमीराजासोमोऽस्मा
कंब्राह्मणानांराजा
जा॥४॥२॥ॐअग्निर्मू
र्द्धादिवःककुत्पति

पृ[illegible] ३

पृथिव्याऽअयमा
पांरेतांसिजि
जिन्वति॥३॥ॐउद्बु
ध्यस्वाग्नेप्रतिजागृ
हित्वमिष्टापूर्तेसं
सृजेथामयञ्चाऽस्मि
न्त्सधस्थेऽअध्युत्त
रस्मिन्विश्वेदेवा
यजमानश्चसीदत
॥४॥ॐबृहस्पतेऽअ
तियदर्योऽर्हाद्
द्युमद्विभातिक्रतुमज्ज
नेषु।यद्दीदयच्छवस

ऽ स्मग्रज्ञा ग न द स्मा
स्रुद्ध विनी सेदिखि
न॥जा॥ओं जून्नास्यनि
ष्कोगानसंवुक्कणाथ्य:
पिवल्कत्रम्यय४सामं
व्रज्ञावृनि४स्मनन स
समिद्धियन्विवान
ग्रुकमन्षस२००न्द्रस्य
न्द्रियमिदम्ययोम्दन
म्मथ्रू॥६॥ओं गन्नाद
वीनतिहस्य२ज्ञायात
वकुयानयाळीयान
तिम्रवकुन४॥७॥ओं

कयानश्चिग्र२ज्ञाउव
दूश्रीसवाद्व४सखा
।कयासविद्भ्याद्वणा
॥८॥ओं कें उकृख्वन्न
कनववपळ्भमयाँ२
ज्ञयगसा।सम्प्रूबाहि
नबायथ्री॥९॥ओं गा
२ज्ञ्यस्मदणाहस४
हामध्रुश्रालक्त्यिथ्य:
ग्नय४।ऊन्मन्द्वाना
म्विगाक्विद्यागावन
दिव४॥१०॥ज्ञवाद:
नक्षवनवन्दनाक्रं

पृथ्वनमः॥आदित्या
दित्यवरुणाग्नैनवि
ष्णवेर्लवैविषियानि
वृषभमिकु॥ ॥००ब्रः
दिदमशाकःतेपा५००
दमाहनेनमः४पृथ्वीः
नमः४॥ॐत्रा गानमि
नुमविगानामिडुं
हिवल्लवेस्लवहं
नमिडुमाध्याणिः
ॠकैभूवेकृगमिः
हृवगिनमदकैः
भूकैदः।ॐम्रिः

सूक्ष्मदिवःकरुण्य
मि४यथिध्याःकृय
माजूयाहवनःहैसि
जैन्चमि॥२॥ॐय
मनदकिकिनदत्रः
नगायूनमिद्र२त्रः
नव्रमा३अक्षनिस्त
गागन्यवाःसूस्तनः
नामसकल्लातस्नाद
ध्रंवुसवानेनकृष्ठा
३॥ॐयनेदवानिर्भ
निनाहवन्यवार्गीय्रा।वा
विविवृक्षमनक्रि

ध्या स्म्या पूषा नमः
श्वा दक्षो गं विउ मः
ह्रि युषु न ४ न मा लृ
ल्यि य र्दे व का न ॥ ध
ॐ ००ँ न म्भ ष्व नूल ग्लु
श्री हे व म ख्या व म ठ
या ल्वा म व ह्य ना व क्ष
॥ ७ ॥ ॐ न व ब्ध्या य व्द्र
स्य ग ल ब्रू र्क्ष मा ग न
हु ग । अ्नू वा ० स्या व्ला
म हेँ ॥ ८ ॥ ॐ कू वि र्दे ग
ष व म न्का य र्वृं वि युथ
दा न्ध नू प र्दे व्हि यू या

ॐ० दृ है बी क्व शू हि ता
उ ना नि य व र्द्दि षा नः
मः २ उ क्रिं य ज नि ॥ १
॥ ॐ अ हि ल्वा ठ्लू न नाः
नू मा द्द्षी २ ॐ० व षेः
न व ४ ॥ ॐ० ग्धु न म य्
ज ग न ४ स्व र्दे ग मा ॥ ग
न मि द्र ग स्कु ब ४ ॥ ७ ॥
ॐ त्रा हि य दा वि व क्र
म ब्वि षू र्ग्भ या २ ज्नू दा
स्य ४ ॥ अ्नू गो ष म्मी लिः
ष्म न य न्ना ॥ २ ॥ ॐ व क्क
ग्ग स्य ग ल्वे म ह्य य काः

स्तक्रस्यवाषिनयु
क्ष्रजिन्वाध्विर्ध्वंनह्रुं
य्यदवन्निदेवावसद्ध
देमध्विदथस्रुषीना
४॥१०॥ ॐ वाहनक्लाः
यनवन्दनाक्रनयुर्ष्टं
नमः४॥ ॐ ब्रादिदश
लोकपालार्श्वनविल
गतर्श्वविषिपतियू
ल्लमस्तु॥ ॥ॐ भुवल्ल
मादिभूष्टविनेश्वः
विया ॐ दमासनी

नमः४य्थ्र्थनमः४॥ॐ
भूव्वक्लवानिबदन
म्यर्द्धवाध्वसग्निक्रः
ना।भिलाउ ॐ क्लि
लासथपत्सनवेथः
पूनूबमः॥१॥ॐ मदि
यो४प्थिवीवन ॐ
र्मंयहूक्षिमिद्रुगाः
म॥वियप्तनाक्षातन
सेति४॥२॥ॐ यस्यकू
र्म्मिमहुँहविस्युत्नंब्र
र्ह्ययात्वमसानसेदेवा

रवुसिववनयक्षः
व्रह्मेणस्यमि४॥३॥
ॐमीह्राम्योभान्कूः
श्वाग्वुववाहयाः
श्वानथेति४सद्वा
उपक्ष४॥जूवक्राम
नु४युवदेनमित्राः
श्रिणक्तिगरुँ रन
नपथ्ययनक४॥४॥
ॐनरुसाम्हाम्भसि
निनस्कुंनस्कु
दमहुंनक्ष्माति

निष्ठामादमहुः
नक्षावर्वाथ१००८द
महुनक्षाथसके
मानयामिधगन्नुः
ग्रावाद्धथिवाग्राद्वा
थींवायाव्क्षाकीना
मग्निनाथस्यव्रउः
स्वाहाहाहाकृगछ
ह्वनतहंमानूरंगछ
दम्॥७॥ॐजूयहुः
सहस्रमप्रविति४स
दस्कग४समद्र३

ॐ वंववृथ्यासय४
सोस्तूस्यमहिमोय्
लेशाबोखह्रूबूख्विवु
नाथ॥६॥ॐप्रजाय
गनत्वदमान्थ्याबि
श्वानृयालिवबिनाव
ल्ववायक्कामाक्रूरु
क्रूमस्लन्वाइजूसुव
यॐस्यामयनयानश्री
स्मम॥७॥ॐसक:
सयं४व्रमिहिना४ः
गनीनसयकनकृति

सदमवृमादमासः
कोयं४स्वियपालोकं
मीयुस्त्रुगजाम्रमौ४
अह्रप्रुजौसनसदौ
वदवा॥५॥अृवाद
नस्काधनवदनाद्
गवर्थीनम४॥अृक्ष्व
स्कामाद्रिरञ्चविने
जुवाक्ष्वनविक्षनल
क्षविखियनियुक्त्रस
स्कु॥ ॥मामाद्विवर्ङ्
स्याॐदमासनेनः

म८यूथीनम८॥ ॐ
अर्द्धमोसा८पन्न७:
बिनमासा:श्रीक्षुकु
गम्यक८अुसनता:
लिमनूमाध्विनिस्कु
हृदयकुने॥१॥ॐअू
ल्मे८यकूगिर्वायात्रि
यकूगिनिर्त्तुस्यनूगा
यासामस्यवउर्ध्वदि
स्येयक्षुमाडालेयषः
क्षीमनूना७सयकमीः
वद्दस्यथनंनक्षुम्यः

यम्सुनवमाअउर्द्दः
गमीन्दुस्यैकादगीत्र
नूगस्यद्वादगीयम
स्यत्रयादगी॥२॥ॐ
ॐ०ल्लाल्मे८यरूगि
८सनद्वल्यैनियरूगि
म्भिग्रस्यरूगियावाक्षु
गुथीनिर्ग्येयक्षुम्य
मीबामया८बक्षीस
र्यान्मा७सयकमीत्रिः
क्षानक्षुमीयूक्षानव
मीलक्षुर्द्दगमीन्दुस्यैः

काशीब्रनूलस्यद्वादः
शायमैत्रयादशाया
वायथिव्याह्रद्धिलः
म्याश्र्वविश्वबान्दवा
नामरुनमः॥३॥ॐन
कुरस्य४स्वाहानकैः
त्रियस्य४स्वाहाहान्त्र
स्य४स्वाहाईमासस्य४:
स्वाहा३मउस्य४स्वाहा
लैवस्य४स्वाहाईव:
लनायस्वाहाद्यावाः
दृथिवीस्या४स्वाहाव

मासस्य४स्वाद ५

न्हायस्वाहाह्रर्यीय
नानिभिस्य४स्वाहा
वहस्य४स्वाहाबुद्ध
स्य४स्वाहादिव्यस्य
४स्वाहामनवस्य४:
स्वाहाविश्वस्यादवं
स्य४स्वाहामूलैस्य४
स्वाहा४भरवास्य४स्वा
हाबनस्यातिस्य४स्वा
हापूर्व्वस्य४स्वाहाह्रं
लैस्य४स्वाहादेवधी
स्य४स्वाहा॥५॥ॐह्र

यर्नु४याॐन्च्यु३ॐः
गिर्ध्वीदसादर्ध्विदाग
ध्वायवेवद्दस्यगय
ध्वायस्यगयपैगग
ॐात्३ॐ्क्गिस्४
यवामहुमर्स्त्यस्कः
नेदीयगयध्यावाय्य
थिवाय४कूर्म४॥ॐ॥
ॐक्राणाणिशुम्महिमा
ॐहिन्वणाध्यवादिवम
।ध्विश्मयववियूगाणः स
दिव४॥७॥ॐ याेगया

ॐगवस्कनन्चाॐवाः
ॐदयामहाहत्स्वाय
ःह्नुमूगय॥१॥ॐ
स्गवस्कयहूँध्विगन्व
न्तुमासागद्कुगः
हवि४।सैंध्वस्सनस्क
यहूँदमाउन४प्रजाः
स्रयगियाउन४॥ग॥
संध्वस्साहियगिवः
त्तगाहीदावत्सगा
सीध्दत्तगाहिधवत्सगा
सिाउमसस्ककल्पः

का स हू गा गा स्क कल्य
का स ह्व सा सा स्क कल्य
गं स्कि ग व स्क कल्यः
का ० सं ह्व स्व व स्क क
ल्य का स ग्र [illegible] २ वः
थि स श्च स्व व सा न
या हू य श्री वि दा से ग
या दे व सा क्षि व व ह्व
वं ४ सा दा [illegible] ३ अ
४ व कू य गो [illegible] ग
स्क ग्रा आ य या ४ कु
खू ग्री व [illegible]

ग

न गा ८ यू न स्का स्लः
न ह्य गा स ष्य ध स्काः
ह्व न्वो गा छि ना व षा
ना मो वा [illegible] ४ सो माः
यो दू ० ल्ला मा ना त्या
३ मौ र्य या मो ७ व न
कू षू ४ व या ८ र्व्या ल्ला
ह्ली ला म ग ष ह्वो ह्लः
ह्णु र्धा य कु ४ ८ लः
ग ४ यू ह्व २ ० ० न्ला य
ल्व य स्या य ह्वे हू ह्वे

षूवावामन ४॥ १०
॥ ॐयम्यूशाद्दनिकं
ठा ४ स्तयुेन ॉंमस्कः
स्यनथम्स्सेश्वनु
(थेजाञ्चहनानी
ग्सम (ल्मो। युत्रिकु
स्कलावकुतुस्कुलो
वोयसनसौदकूबु
४ युगवाह्द नि ४ यो
वुबयाद्धुव ४ युद्द
निस्यानमाःशूस्कु
गनावकुगनाम्सु

यक्लुगर्यद्विषाय
श्वनाद्वियिगमषा
ॐम्हिदषा ४॥ ११ ॥ ॐ
त्राक्रुगाह ४ यिनं
४ निवनाधावादः
थिवाःशुलाहमा।
यूबान ४ याउद्गिः
गाहनाव ल्मेनक्राम
किन्वैःशुघमहूत
३ ०० ौगमा॥ १२॥ ॐ
ॐ ल्मिनानेजहाव
द्धू ४ श्राल्लनसनः

खगीर्धीर्यमृ।वाचन्द्रा
बुलनन्द्रायदधृनि
न्द्रियम॥१३॥ॐभूः
मन्द्रनिन्द्रदविरिः
य्यादिमयूरनामति
य्यादिमंयूंरनामति
४॥मालाकेविन्द्रिय
मन्त्रिन्द्रयाणिनामि
धन्वंवगा२००दि॥
१५॥ॐयत्रवोभ४
मम्यगक्रिकूमानाद्वि
मिभा२००वे॥जन्ने२

ठदानकाॐश्रीहृय्यो
याधनमः४॥ॐञा
ष्ट्रगि॥न्यामादिसृघ
पात्रात्मपूजाङ्क॥नता
पूजनं॥ॐञाक्षवादि
॥वषगाह्वायनमः४॥
संपूज्ञीं।ध्यादकपूः
त्रिगउदककैलायर
॥ध्यानं॥गुरुरदिके
नंकामं।त्रिनेत्रंचन्द्र
मौलिनं।वरदाभय
हस्तंवमुकुमालाध
रेदेवं॥ववैध्यमल्माम
हादेवं॥ॐहूकामार्थ

सिद्धय ॐ ध्यानपुष्पं स
घटस्य ४ ॐ हूं दमासनं
नमः ॥ पुष्पं २ ॥ ॐ गन्ध
यामि ॥ १२ ॥ ॐ आजि
घ्रकलसौ ॥ ॐ पञ्चन
घ ४ ॥ ॐ हूं मम्मगभि
गि ॥ ॐ उपक्लवगि ॥
व उ ४ स्वस्ति ॥ धूपः
दीपार्कं ॥ ॐ मनाहू
गि ॥ प्रतिष्ठा ॥ मन्त्रु
लजाप ॥ स्नात्र ॥ ध
र्मस्तवं घटस्तूपद
ब्रह्मक्षमि मिश्रित ४ पू
जा ४ ॥ त्रमत्स्यदानात्म

कृष्णा ब्रह्म विष्णुमहेश्व
रौ ४ ॥ ॐ हूं हूं फट् वरम
सूर्यो ॥ ऋत्रगन्धादि ॥
विसर्जनं ॥ गत ४ सं
कल्प ॥ तिलकुशजु
ल ॥ उत्सर्ग ४ ॥ त्रपध
र्म्मघटादक्षात्रश्मा:
विष्णुलिवात्मक ४ :
श्रुत्यप्रसादात्स्वस्ता
मत ४ मिश्रिप्रयच्छ
म ॥ देवतादित्वाङ्क
लस्यस्त्राघटान्दाप
य ॥ घटदानंदात
वी ॥ ददस्व ॥ जयव

वारु॥ उपर्यादि॥

तान्त्रबाउगोत्र४
श्रीअमुकनामम
र्म्मेल ब्राह्मणाय रु
त्पिपासाउनकय
मलाकुपनिस्यागपू
र्वकश्च दवनालाकु
प्राफिकाम४ब्रमानु
घटानन्चन्दनायुर्वि
माननीतजलपूवि
मानेदवनादिब्रा
ह्मणेत्यादाउमरु
मेल्हेउ॥ अकीदा

न॥ निअव॥ दक्षि॥
णा॥ यजमानाशिष
केचन्दनादिश्रा॥
र्वाद॥ साखिपय॥
॰॰ तिमषमक्रान्ति
घटदानविधि४॥॥
लिखितम्ममहुरा॥
लिखितम्ममहुरा॥
यपुलकेदशकर्मछ
निवाकीमानृह॥ ॥
स्व लि श्री सर्वोपमायो
ग्यन्यादि सकलगुण
गाहिसरा भा राजमानघी द्व

कैसर॥ अगुरु॥ कुंकुम॥ कर्पूर॥ श्रीखण्ड॥